JET13-2-1

सूधी लेनेवालों के लिए परमे·ार की प्रेरणा - प्रोग्राम 1

आज द जॉन एन्करबर्ग शो में

केन टाडा: ऐसा समय था जब मुझे बस बिस्तर के किनारे बैठना था, एक शाम के समय मैंने जॉनी से कहा, मैं अभी भी तुम से प्यार करता हूँ, लेकिन मुझे तुम्हारे अयोग्यता के कारण फंसे जैसे लगता है/

परमेश्वर कैसे उन लोगों की परवाह करता है, जो प्रतिदिन अपने प्रियजन की सूधी लेते हैं?

जॉनी ईरीकसन टाडा: मैंने इनकी निराशा जाते देखी, मैंने धूंद को गायब होते देखा/ मैंने इनकी आँखों में चमक देखी/ मैंने वो मुस्कान देखी जो इनके दिल से थी/ और मैं बता सकती थी कि कैन ने सोचा कि मैं ये इनके शब्द हैं, बहुमुल्य वरदान हैं, जिसके बारे में परमेश्वर ने इन्हें बताया था/

डॉक्टर माईकल ईसली: और जैसे कैन जॉनी की परवाह करते हैं, सिन्डी मेरी परवाह करती है/ और आप परवाह करते हैं, अपने दोस्त की, या अपनी माँ की, या पिता या बहन की, या बच्चे की, देखिए यहाँ पर एक सेवकाई है, जिस पर हम एक, दो, तीन चेक मार्क नही लगा सकते/ लेकिन ये सेवकाई प्रभु ने आपको दी है/ कि उसकी देखभाल करे, जो खुद की देखभाल नही कर सकते/ और ये बहुमुल्य और सामर्थी है उसकी दृष्टि में, और ये दूसरे लोगों के लिए महत्वपुर्ण है/ जैसे वो देखते हैं, कि कैसे कैन जॉनी की देखभाल करते, और सिन्डी मेरी देखभाल करती हैं/

आज मेरे मेहमान हैं, डॉक्टर माईकल इसली, प्रेसिडेन्ट ईमेरीटस ऑफ मूडी बाइबल इन्स्टीटयुट/ और इनकी पत्नी सिन्डी, और साथ हैं, जॉनी इरीकसन फाडा/ ये फाऊन्डर हैं, जॉनी एन्ड फ्रेन्डस की, और इनके पती कैन/ हमारे साथ जुड़े इस विशेष एडीसन में, द जॉन एन्करबर्ग शो में/

।।।

डॉ। जॉन एकरबर्ग : आज के प्रोग्राम में स्वागत हैं, आज अदभुत प्रोग्राम में अदभुत मेहमान आएं हैं, मैं परिचय करवाता हूँ, डॉक्टर माईकल ईसली, और उनकी पत्नी सीन्डी, साथ ही केन टाडा और इनकी पत्नी जॉनी इरिक्सन टाडा, और मैं आपको बताऊं ये महान टॉपीक है/

चलिए परिचय करवाऊँ दो कहानी से/ एक दिन मेरे पिताजी मिशन फिल्ड से घर लौटे, और जीवन में ये बहुत बुर दिन था/ उनके शरीर का एक्स रे निकालने के बाद डॉक्टर ने मुझे बताया कि उनका

शरीर कैन्सर ट्युमरे से भरा है, ब्रेन में, उनके शरीर के हर भाग में, तुम्हें इन्हें बताना होगा जॉन कि 90 दिनों में ये मर जाएगे/ उस समय मैं उनकी सूधी लेनेवाला था/ और, उन्होंने इस विषय पर सेमनरी और ग्रैड स्कूल में नही बताया/ कुछ साल के बाद, मेरी मां ने अपनी सबसे अच्छी सहेली को ग्रेगेरीक डीसीज़ से मरते देखा, वो डॉक्टर से मिलने के लिए गई, और डॉक्टर ने इन्हें बताया कि आपको ए एल एस है, इनके पास स्पष्ट चित्र था, कि अगले 24 महिने कैसे होनेवाले हैं/

हम आप से बातें कर रहे हैं, जिनके साथी हैं, पत्नी या पती, मातापिता, जिन्होंने अभी बुरी खबर सुनी है/ प्रभु आपकी कैसे मदत कर सकता है जब आप ऐसी खबर सुनते हैं, और ये लोग सब उसमें से गए हैं, इसलिए मैं इन्हें दर्द के एक्सपर्टस कहता हूँ, क्योंकि ये जानते हैं, ये महसुसीकरण, और मैं चर्चा करना चाहता हूँ, इस बारे में, मैं सूधी लेनेवाले के दृष्टि से कहना चाहता हूँ, हमने उन लोगों से सुना जो दुःख उठाते हैं, लेकिन अब ये लोग दुःख उठानेवाली देखभाल करते हैं, हमारे ये तीन प्रोग्राम इन्ही के बारे में हैं/ और सिन्डी इसली, मैं खुश हूँ कि आप यहाँ आई, मैं चाहता हूं आप उस पल के बारे में बताएं, जब आपने जाना कि डॉक्टर जो कह रहे थे, कि माईकल इसका सामना कर रहे हैं, आपने कैसे, हमें बताईए कि क्या सामना कर रहे थे, और कैसे आपने इस में मदत की/

सिन्डी ईसली: जी शायद ये इनकी आखरी और गंभीर सर्जरी थी, वो मेरे लिए व्यक्तिगत रुप में डरानेवाली थी, क्योंकि इन्हें इनकी गरदन में बहुत से फ्युज़न थे/ और अवश्य ही किसी भी सर्जरी मे, मरने की संभावनाएं होती हैं, क्योंकि कॉम्पलीकेशन्स होते हैं, जब डॉक्टर ने पहली बार इसके बारे में कहा, मैंने ठान लिया कि जब तक जरुरत न हो मैं चिन्ता नही करुंगी/ तो देखिए मैंने सोचा यदि ये हो तो मैं इसका सामना करुंगी/ लेकिन फिर जब इनकी सर्जरी हो रही थी/ वहाँ नर्स ने मुझ से कहा था, सर्जरी के पहले ही, कि वो 15 से 20 मिनट में वापस आकर मुझे सामान्य रुप में बताएगी कि क्या हो रहा है, इन्हें ले जाया गया और मैं वेटींग रुम में थी, मैं जानती थी कि सर्जरी सुबह 9 बजे शुरु होगी, तो 9:15 हो गएं, और 9:30 हो गए, और 9:45 हो गए, और 10 बज गए,

और वहां एक फोन था, जिस पर सर्जरीकल लोग कभी कभी फोन करते थे, परिवार से बातें करते थे, और मैं सुन सकती थी कि पेशन्ट के परिवार के लोगों का नाम पुकारा जाता और वो फोन के पास जाते, साथ ही टीवी स्क्रीन पर अपडेटस दिए जाते थे/ ये और ये रीकवरी में हैं और इनकी सर्जरी ठीक से चल रही है/ माइकल का नाम कभी नही आया/

मैं परेशान होने लगी, क्योंकि मैंने सोचा हे प्रभु, तेरी दया में, तूने कहा है, माईकल घर आ, हे भले और विश्वासयोग्य दास, क्योंकि मैं जानती थी कि वो कितने दर्द में रहते थे, वो तो घर जाने से बहुत खुश हो जाते/ स्वर्ग में जाएं, उस सर्जरी के टेबल से, मेरे पास आने के बजाए/ और मैं बहुत डर गई, मैं परेशान हो गई, अंत में मैंने उनसे कहा कि सर्जीकल स्वीट को फोन करे, उन्होंने जवाब नही दिया/ तो मैंने सोचा कि वो क्रैश हो रहे हैं, और ये उन्हें जिन्दा रखने की कोशीश कर रहे हैं/ और फिर मैंने केवल प्रभु की दया के कारण कहा, मुझे पता नही तू ने मेरे लिए क्या रखा है/ मेरे लिए जो भी रखा है उसे मैं लेने के लिए तैयार हूँ, मेरे पास और क्या चुनाव था, उस पर भरोसे के बिना/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, जिन लोगों ने बुरी खबर सुनी हैं, शायद इस हफ्ते या हालही में, ठिक है, इस में से जाने के बाद आप इन्हें क्या सलाह देगी/

सिन्डी ईसली: गहरी श्वास लें, और प्रभु पर भरोसा रखे, प्रभु पूरी तरह जानता है कि आप कौनसी परिस्थिती में हैं/ हमारे पास करुणा का प्रभु है, जिसने हर एक चिज़ महसुस की है, जो महसुस करते हैं, और कोई संदेह नही है, मेरे पास कोई संदेह नही है, कि प्रभु उन चिज़ों से नही चलेगा जिसका सामना करती हुँ, इसलिए मैं परेशान नही होती है, क्योंकि सोचती हूँ कि इस परिस्थिती में और बुरा क्या हो सकता है? और मेरा सवाल होता है, जब मेरे मन में ये आता है, तब मैं खुद से पुछती क्या प्रभु इस में होगा? हाँ वो होगा/ और इसलिए मैं जानती हूँ प्रभु के साथ मैं इसमें से जा सकती हूँ, क्या मुझे पसंद है? नही, बिलकुल नही/ लेकिन प्रभु की मदत से, मदत होगी, और शाश्वति और करुणा होगी/ और प्रेम और विश्वासयोग्यता है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : बच्चों के बारे में क्या? उन्होंने ये खबर कैसे ली?

सिन्डी ईसली: खैर, देखिए हमारे बच्चों की अलग रेन्ज हैं, और मैं सोचती हूँ कि बड़े थोडा बहुत जानते थे, हमारी बड़ी बेटी/ उस समय वो 20 से ज्यादा की थी, उसने कहा, कि सर्जरी के कुछ हफ्ते पहले वो निंद से रोते हुए उठती इस डर से कि उसके पिताजी मर जाएगे/ और छोटे बच्चों को हमने ज्यादा कुछ नही बताया था/ जब वो दर्द और डर मे होते हैं तो तसल्ली देते/ और और अलग अलग बच्चों में ये जानकारी समझने की क्रिया अलग होती है/ ये उन पर आधारित हैं कि वो कौन हैं, क्या वो चिन्ता करते या नही करते हैं/ मैं सोचती हुँ कि सर्जरी के द्वारा/ वो थोड़ा बहुत परेशान थे, अवश्य ही मैं जो महसुस करती वही महसुस किया/ लेकिन हमने देखा कि प्रभु ने इन्हें जीवित रखा, और हम धन्यवाद देते हैं, कि इन्हें घर लाया/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : आपने माईकल को इतना दुःख उठाते देखा तो क्या महसुस किया, आप प्रभु के बारे में क्या सोचती हैं?

सिन्डी ईसली: जी माईकल मे कहा कि वो कभी क्यों नही पुछते हैं, लेकिन मैं हमेशा क्यों पुछती हूँ, जानते हैं, प्रभु ये मनुष्य क्यों जब कि सेवकाई की ऊंचाईयों पर है, तू इन्हें क्यों आज़ाद नही करता, कि मुड़ी बाइबल इन्सटीट्युट को अगले स्तर तक ले जाएं/ यहाँ तक प्रचार में कुछ भी हो, प्रभु ये ही क्यों, तूने इन्हें ही क्यों चुना/ उसके लिए कोई जवाब नही मिला, अब तक कोई जवाब नही मिला/ और ये ठीक है/ मैं विश्वास करती हुँ, ''प्रभु तू हमारी सारी बातों को जानता है, मैं नही सोचती कि हम कभी जान पाएगे कि कैसे प्रभु ने माईकल के दर्द का उपयोग किया है, इनके जीवन में और इनके परिवार के जीवन में, और दूसरे लोगों को भी, और इन्हें स्वर्ग ले जाएं, और किसी हद तक मैंने इसे स्वीकार किया/ कि मैं इसके साथ ठीक हूँ प्रभु, जो तुझे सही लगता है, उसे करने के लिए मैं तुझ पर भरोसा रखती हुँ/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : क्या आप उस पल के बारे में बता सकती है कि जब नर्स या डॉक्टर आपको कुछ नही बता रहे थे, आपके मन में क्या आया, क्या ये सोचा कि प्रभु ने इन्हें ले लिया/ आपके बारे में क्या?

सिन्डी ईसली: अब मैं क्या करुंगी? और ये नही कि मेरी देखभाल कैसे होगी, लेकिन मेरे सबसे अच्छे दोस्त के बिना क्या करुंगी, जानते हैं, माईकल के लिए एक बात सबसे मुश्किल है, जो ये पहले करते थे वो अब नही कर पाते हैं, और मैं हमेशा इन से कहती हुं, मुझे भी इस बात की परवाह है/ मतलब हम लॉन साफ करने के लिए किसी को बुला सकते हैं, लेकिन मुझे तुम्हारी जरुरत है, मैंने हर बात के बारे में उन से कहा/ जो मैंने सोचा, महसुस किया अपने व्यापार के बारे में, वो हर चिज़ के लिए साऊन्डींग बोर्ड का उपयोग कर रहे थे, और उनके बिना मैं क्या करुंगी, मैं उनके साथ बुढी नही हो सकती/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : माईकल याकूब कहता है, जब तुम नाना प्रकार की परिक्षाओं में पड़ो तो इसे आनंद की बात समझो/ अब मैं कह रहा हूँ, कम ऑन जानते हैं, हम दृष्टि से नही विश्वास से चलते हैं, और आपने संदेश में इसके बारे में कईबार बताया, जब आपने परिस्थिती को थियॉलीजी के विरुद्ध देखा तो लगा कि बड़ी परेशानी में हैं, लेकिन फिर भी मैं कहता कि आनंद समझो/

डॉक्टर माईकल ईसली: जी, जॉनी ने कहा था जिस पल हम ये खबर सुनते हैं, प्रभु की स्तुति हो, यीशु कहाँ है? ये अदभुत है/ जानते हैं, जॉन ये सबसे गलत समझा गया वचन है, बाइबल के अर्थ मे, क्योंकि याकूब यहाँ जो कह रहा था, वो कहता है जब तुम नाना प्रकार की परिक्षाओं में पडो तो इसे आनंद की बात समझो, आगे कहता है कि धीरज को अपना काम पूरा करने दो/ या दुसरे शब्दों में कहे तो, हम परिक्षा से जाते हैं, और इसके द्वारा हम धीरज का परिणाम पाते हैं, जो हम और किसी तरह नही पाते/ ये जानते हुए कि जब परिक्षा का सामना करते हैं तो उसमें से जाते हैं/ हम धीरज सिखते हैं और वो धीरज, परिणाम लाता है/ याने जब अगली परिक्षा आती है/ तो मैं आसानी से मुस्कुरा सकता हूँ, क्योंकि मैं जानता हूँ कि प्रभु ने मुझे धीरज दिया है, जो उस परिक्षा के बिना मेरे पास नही होता/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, एक और वचन, क्योंकि हमारा पल भर का हल्का सा क्लेश हमारे लिए बहुत ही महत्वपुर्ण और अनन्त जीवन महिमा उत्पन्न करता जाता है/ लेकिन आप दुःख उठा रहे थे?

डॉक्टर माईकल ईसली: ये वचन मेरे लिए खज़ाना है, इसे कीऐज़म याने ये सिद्ध एक्स है/ और इसके बिच की जोड़ तो महिमा और दुःख उठाना है/ और जैसे मसीह ने स्पष्ट रुप में कहा कि मुझे पिता के पास जाना है, मुझे महिमा पाने से पहले दुःख उठाना होगा/ और और ये बहुत अदभुत तरिका है, मनुष्य के क्षेत्र में, मनुष्य की दशा में, जिन लोगों के ध्यान देनेवाले नही, जो लोग अकेले इस दर्द से लड़ रहे हैं, एक मार्ग है, जो मुझे पता नही, सिन्डी इस दुःख के बारे में बता सकती/ लेकिन एक मार्ग है यदि हम विश्वास से इसका सामना करें, जिसका मसीह उपयोग करता है, और ये कुछ पल का और हल्का, क्लेश है/ एक बार इससे पार हो गएं, तो अनंतकाल की महिमा है/ जो हमें चकित कर देगी/ कि वो अनंतजीवन कैसा होगा/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : देखिए बहुत से सबूत है कि यीशु के पुनरुत्थान का दावा करे, बाइबल की सटीकता है, आप इसका उपयोग कर सकते थे कि मसीह में विश्वास लेकर आएं, ये मज़बुत सबूत की बात है, अब हम जीवन की परिस्थिती के बारे में कह रहे हैं, बाइबल की परिस्थिती तो ऐसे थी लेकिन आप दिनों दिन चल रहे थे, आप इसे विश्वास से करते हैं और दृष्टि से नही/ और संसार कहता है कि यदि देखूंगा तो विश्वास करुंगा,

लेकिन सच्चाई तो ये है कि आत्मिक मनुष्य कहता है, मैं प्रभु के वचन पर विश्वास करता हूँ चाहे इसे देखूं या नही/ और सच में सबूत भी मुझे विपरित दिखते हैं, मैं विश्वास करता हुँ, ज़रा इसके बारे में बताईए/

डॉक्टर माईकल ईसली: जी हाँ, बिलकुल/ विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है/ मैं उस पर भरोसा रखता हूँ जिसे नही देख सकता/ और उसने हम से यही मांगा है, इन्ही को माना है, थोमा से कहा, तूने देखकर विश्वास किया, लेकिन वो बहुत आशिषित हैं, जिन्होंने बिना देखे विश्वास किया/ और विश्वास का जीवन मुश्किल होता है/ ये सोशियॉलॉजी के विपरित है/ लेकिन मेरे पास चुनाव है कि अपनी कल्पना पर भरोसा रखूँ, मेरे अपने सिस्टम्स पर, मेरे संभावनाओं पर, मेड़ीकल कम्युनिटी या किसी तरह के मेडीकेशन्स पर/ जो आशा करते हैं कि ये करेगा वो नही करता/ तो क्या मैं भरोसा रखूँ, जॉनी पर, कैन पर सिन्डी पर, क्या हम मसीह और केवल मसीह पर भरोसा रखते हैं, उस में, और वो ही आराम की जगह है/ चाहे दर्द कितना भी ज्यादा हो/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अदभुत है, माईकल, हम चार अदभुत लोगों से चर्चा कर रहे हैं, डॉक्टर माईकल ईसली और सिन्डी, और हम चर्चा कर रहे हैं, केन टाडा और इनकी पत्नी जॉनी इरिक्सन टाडा से/ और केन, जो अभी स्क्रिन पर है/ ये सुंदर चित्र है/ प्रेम करनेवाले दम्पत्ति का/ और ये लव स्टोरी है, अनटोल्ड लव स्टॊरी, ये सच में अदभुत किताब है, और मैं सोचता कि काश हम दो घंटे इस पर चर्चा करे कि आपने इनसे शादी की क्योंकि इन्हें विहिल चेअर से हिलना भी मुश्किल था/ मतलब ये तो इनके लिए बहुत मुश्किल की बात थी/ लेकिन आप ने ये किया, इन्होंने अपना दिल आपको दिया/ आप ने इन से प्यार किया, आप ने हर संभव तरह से किया, आप जानते थे कि क्या कर रहे हैं, और फिर स्कूल में सिखा रहे थे, फूटबॉल के कोच हैं, ये पूरे संसार में यात्रा करती है, और आप जितना हो सकें यात्रा करते हैं/ और समय सारणी की की परेशानी, आपको परेशान करने लगी/ और आपने किताब में परिक्षा के साल के बारे में कहा/ इस समय हमारे दर्शन ये सुनना चाहते हैं, इन्हें आप कुछ बताईए, आप क्या अनुभव कर रहे हैं?

केन टाडा: जी, मैं जानता था कि मैं अपाहिज लडकी से शादी कर रहा हूँ, लेकिन सच्चाई तो हमारे शादी के देड साल बाद आई, दिन में 24 घंटे इसकी देखभाल में चले जाते थे, और जानते हैं, ये दिलचस्प था, मैंने इस बारे में नही सोचा, जैसे कि शॉपिंग, और वो बहुतसी चिज़ें जो दुसरे पती अपनी पत्नी से करवाते हैं/ लेकिन मेरे बारे में, याने मेरे लिए वो मेरी जिम्मेदारी थी, खासकर रात को करवट बदलना/ हर रात को, अपाहिज होते हुए करवट बदलना, याने आधी रात को गहरी निंद में हो सकते हैं, 2 बजे, 3 बजे, 4 बजे, और बिस्तर की एक तरफ से दूसरी ओर मुड़ना इन के लिए असंभव था/ मैं बिस्तर से उठता, निंद में ही, पूरा अंधेरा था/ और फिर जॉनी को रीपोजिशन करना पड़ता/ रिपोजिशनिंग याने तकिया उठाना, उन्हें इनके पिछे एक तरफ लगाना, और निश्चित करना कि इनके पैर सही स्थिती में हैं, और ये सब करना, आधी निंद में, और फिर से सोने की कोशीश करना/ और फिर बस कुछ घंटे में सब फिर से होता/ और फिर उससे भी बढकर, मुझे स्कूल जाना है, और सिखाना भी है/

तो ये पहले साल इसी तरह रहा, एक समय ऐसा आया कि मैं बिस्तर के किनारे बैठा/ एक शाम के समय मैंने जॉनी से कहा, जॉनी मुझे फंसे जैसे लगता है/ जानती हो, ये सब अब शुरु हुआ है, मैं अब भी तुम से प्यार करता हूँ, लेकिन मुझे तुम्हारे अपाहिज होने से फंसे जैसे लगता है/ हमारी शादी के कुछ साल बाद, एक और बात, हमारे संबंधों में मानो एक परिक्षा जैसे हो गई/ और वो थी कि जॉनी हमेशा दर्द में रहती थी, लेकिन ये ऐसे दर्द में थी जिसे हम नही समझ पाएं/ जो इनके पीठ में था और बढ रहा था/ देखिए, यूरोप की ट्रीप में, दोस्त के घर में थे, हॉन्ट में, पहली बार जॉनी ने ऐसा किया/ ये डीनर टेबल पर थी/ और इसने कहा, जानते हो कैन, मैं नही रह सकती, मैं सह नही सकती, मुझे जाना ही होगा/ पहली बार इन्होंने ऐसा किया, जो मुझे याद आता है, हम इन्हें अलग कमरे में ले गएं, और वहां लिटा दिया/ और मैंने कहा, इन्होंने कहा बहुत दर्द हो रहा है, मैं सह नही सकती/ और मैंने कहा कि वापस जाने पर, डॉक्टर के पास जाकर चेकअप करेगे, और देखेगे कि क्या हुआ है/ और जब हम अमेरिका वापस आएं, हम सारी परिक्षाओं में होकर गएं, और कोई नही बता पाया कि सच में क्या गडबड़ी है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : क्योंकि यदि ये आपके साथ होता तो भी पता नही चलता कैन,

केन टाडा: कैन : हम कोशीश कर रहे थे.

डॉ। जॉन एकरबर्ग : लेकिन आपने हर संभव टेस्ट करवाएं, और फिर भी वो नही बता पाएं, उन्हें ये भयानक दर्द हो रहा था जो इन्हें मार रहा था/ और इन सबसे बढकर आप इससे जा रहे थे/

केन टाडा: हमने सोचा ये तो गॉल ब्लैडर है, शायद हड्डी टूटी है, ये सोचा, याने ये सब अलग चिज़ें थी, वो ढूडने की कोशीश कर रहे थे, कि यदि दर्द का यही कारण है, और उन्हें कुछ पता नही चला, कि सच में क्या कारण है/ लेकिन हम जानते थे कि दर्द तो हो रहा है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : इस कारण आप लोग दूर क्यों हुए/

केन टाडा: मैं सोचता हूँ कि एक बात हुई थी, हम करवट बदलने के बारे में कह रहे थे, वो ज्यादा हो गएं, रातभर में एक या दो बार से बढकर, रातभर में 4 और 5 बार हो गएं/ मैं समझता हूँ कि निन्द की कमी का अर्थ है, हम बहुत थक जाते हैं/ और जॉनी तो अलग तरह की दवाईयों की कोशीश कर रही थी, एक दवाई के कारण ये बहुत बहुत बेचैन हो गई/ और इसके कारण ये बहुत परेशान हो गई/ हम दोनों के बिच/ उसी के कारण/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, जॉनी इसके बारे में बताइए क्योंकि ये किताब में है, जानता हूँ कि आप मज़बुत विस्व्हासी हैं, और आपने बताया है कि ये परेशानी आपको घेरे हुए हैं, ये मानो जैसे दुष्ट आत्मा आपको जकड़ना चाहती हैं, पूरा अंधकार था और अजीब लग रहा था/

जॉनी ईरीकसन टाडा: कईबार तो साईड इफेक्टस होते हैं, दवाईयों के कारण, ये दर्द से बुरे होते हैं, और उस दर्द के साथ जीना मुश्किल होता है, ये बयान से बाहर है/ लेकिन साईडईफेक्टस/ तो सहने से बाहर हैं, एक रात मैंने कैन से कहा, मुझे इससे पिछा छुड़ाना होगा, ये दवाईयाँ अच्छी नही हैं, तो कैन मुझे दूसरे दर्द के डॉक्टर के पास ले गएं, और उन्होंने मुझे स्टेप डाऊन प्रोग्राम बताया/ धीरे धीरे मैं खुद को इससे निकाल सकी, उस खास दर्द की दवाईयों से/ तब से इस तरह की दर्दनिवारक दवाईयाँ नही ली/ मुझे वो दर्द सहना पड़ा, हर तरह से सहना पडा/ जिस तरह मैं विहिल चेअर पर बैठती, सीट कुशन कौनसे रखती, साईड सपोर्ट देखा, कौनसे कपड़े पहनती, कितना पानी पीती थी, कितनी गहरी श्वास लेती, कितनी बार स्ट्रेच करती, अब मैं इन्ही तरिके से दर्द से निपटती हुँ/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : लेकीन आप भी फंस गई थी,

जॉनी ईरीकसन टाडा: जी हाँ

डॉ। जॉन एकरबर्ग : दोनों फंस गए थे, आप इनकि देखभाल करने की कोशीश कर रहे थे और इन्हें अच्छा लग रहा था, ऐसा नही, ये आपको क्यों दूर कर रहा था, क्या रूटीन ने आपको थका दिया था/

जॉनी ईरीकसन टाडा: मैं सोचती हूँ कि कैन की काफी निन्द न होना, हावी होने लगा था/ और वो और ज्यादा दोषी महसुस करवाता/ क्योंकि मैं अपने पती को बड़ी निराशा में ला रही थी/ मैं इसे इन में गहराई में जाते देखा/ हर रात, जैसे रात बितती जाती और मेरा दर्द बढता जाता/ और एक बार, मैं सोचती हूँ, एक प्रोग्राम में मैंने इस बारे में बताया था/ कैन बिस्तर के किनारे बैठकर कहने लगे मैं हिम्मत हार गया, मैं इसे और नही कर सकता, मैं फंस गया हूँ, मैं बस फंस गया हूँ, मैं सायकलॉजीकल दबाव महसुस नही कर सकता/ और मैंने इनसे कहा, ओ स्वीट हार्ट, यदि मैं आपकी जगह होती तो मुझे भी ऐसे ही लगता था/ मैं आप पर दोष नही लगाउंगी/ मैं आपके साथ इसे थामे रहूंगी और आओ हम यीशु के करीब आएं/ केवल यीशु को थामे रहे/ क्योंकि हमने महसुस किया कि हम बड़ी परेशानी मे हैं/ निराशा और चिन्ता के, दर्द और डेली रुटीन में, और बिना रुके 24 घंटे, ये क्रम था, अयोग्यता की मांग थी जो हमें पागल कर रही थी/ हम ने एक दूसरे को थामकर निर्णय लिया/ हमें यीशु के निकट आना होगा/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, सच है कैन कि एक रात आप बार बार उठकर मदत कर रहे थे, ये सब, और मैं सोचता हूँ कि आप दोनों में टेन्शन था/ और आपने कहा, हम इस टेनशन के साथ नही चल सकते, और फिर आप ने कहा, हमें प्रार्थना करनी चाहिए, जॉनी ने कहा, मुझे प्रार्थना करना नही लगता इसलिए हमें प्रार्थना करनी चाहिए/ मुझे ये पसंद है, ये अदभुत है/

जॉनी ईरीकसन टाडा: इसलिए हमें प्रार्थना करनी चाहिए/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : मुझे ये पसंद है, ये अदभुत है/

केन टाडा: और, और जानते हैं जॉन वो यीशु था/ इस पूरी कश्मकश में यीशु था/ जिसने हमें जोड़े रखा/ और, और हाँ मैंने जॉनी से कहा था/ हमें प्रार्थना करनी चाहिए, हम जानते थे कि हमें बस इसी की जरुरत है/ उस समय यही चाहिए था/

जॉनी ईरीकसन टाडा: लेकिन ये सच है, कि अब मैं दर्द को अच्छी तरह सह लेती हूँ, लेकिन आप भी यीशु की जरुरत बेताबी से महसुस करते हैं?

केन टाडा: जी हाँ/

जॉनी ईरीकसन टाडा: और हम मसीह का सुंदर स्पर्श नही खोना चाहते थे, जिसमें ये दर्द हमें लाया था/ हालांकि अब मैं दर्द को अच्छी तरह सहती हूँ, और अब रात को केवल एक बार उठना पड़ता है/ फिर भी...

फिर भी यीशु को थामे हैं/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : चलिए इस तरह पुछता हूँ कैन क्योंकि याने जब लोग बुरी खबर सुनते हैं, और जानना शुरु करते हैं कि वो क्या सह रहे हैं, आपने बुरी खबर सुनी कईबार सुनी, ठिक है, आपकी सलाह उन लोगों के लिए क्या है जिन्होंने सुना आपको कैन्सर है/ या जीवन साथी को कैन्सर हुआ, या जीवन साथी को अलसायमर हुआ/ या जीवन साथी को जो भी हुआ है/ आप उन लोगों को क्या बताएगे जो इस क्रिया को शुरु करते हैं?

केन टाडा: जी सबसे पहले गहरी श्वास ले, और जान ले कि, खैर अपने बारे में मैं कहुंगा कि मैं प्रभु से बहुत बातें करता था, जब मैंने पहली बार सुना था कि जॉनी को कैन्सर है/ और इस पूरी यात्रा में मैं सोचता हूँ कि यीशु प्रभावी रहा है, मेरा ध्यान बनाए रखने में, और अगर यीशु नही होता, तो मैं नही जानता/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, देखिए हम यही करेगे ये कहानी का पहला भाग है, जहां इन्होने बुरी खबर सुनी सामान्य रुप में, और ये सबसे बुरा भाग नही था, सबसे बुरे भाग को अगले हफ्ते देखेगे, जहां हम समय के बारे में चर्चा करेगे, जिन चिज़ों के साथ आप हमेशा रहते आएं हैं, वो रुकता नही बुरा होता है/ ठीक है, दोस्तों कारण ये है कि आप में से कुछ लोग सूधी लेनेवाले के रुप में उसकी देखभाल करते जिससे प्रेम करते, और वो बुरे हो रहे हैं और आप थक रहे हैं/ प्रभु कहां है/ मैं आप से कहता हुं, प्रभु ने इन लोगों की

मदत की है और मैं चाहता हूँ कि ये आपको वो कहानी बताएं, और आशा करता हूं कि अगले हफ्ते मेरे साथ जुड़ा जाएगे/

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2015 ATRI